|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | BARRY \& BRYANT COMMISSION MERCHANTS |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | He had bolted the window and barred the door And every nook he had scanned |  |  |  |
| MYERS \& BARNUM, <br>  and walking.canes, MHOLESALE AND RETAH, MARKET STRIET, WILMINGTO, C. Myers. Oct. $6,1846$. |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | And trembled with silent fear, |  |  |  |
|  |  |  |  |  | ated yon him |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | heall, meanarl conegequence or hin, hin | and drank in the music of her silvery voice,as the low sweet words fell, each like agolden link in the chain of lis enchant- |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | words: thou art pledged for ever mine forweal or woe I and dareat thou abide whatmay befal the wooer of the Dream Bride of |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | "Pledged! doubly pledgod! Ahan fair love only in dreams canst thou, beadid meenand then hut for a short spaeel When |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Dry Goonts, Clothing, Hats, Cap Sooss,vare, Culustery, Tin Ware, Crockery, $\begin{gathered}\text { c.c., } \\ \text { wiec. } \\ \text { wivato }\end{gathered}$ Llmington, |  |  |  | chapterit |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | He inrned to an old worm-eaten chest And cautiously reised the lid, And then it shone like the clouds of the West, |  |  |  |
|  |  |  | And then it shone like the clouds of the With the Sun in thelr splendor hid; And gem after gem of its precious store <br> Are raised with exolting smile, |  |  |  |
|  | Oct. 31, 1846. <br> Copartnerslip Notice. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | bare to the shoulder, and her slight and swan like throat, encireled by a collar of gleaming emeralds; a transparent veil |  |  |
|  |  |  | Why comes the flush to his pallid brow,While his cyeflike diamonde shine?Why witheg he thus in such torture now? What was there in the wine |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 20 nats hi chirs |  |  |  |  |
|  |  | 25 nata grem Riv ofite <br>  | THE DREAM BRIDE OF <br> ROSENIELM. ay motherlakd chaven. CHAPTER I |  |  |  |
|  |  |  |  |  | thee $\frac{1}{}$ my mimp |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | , |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | ,hat |  |  |  |  |
|  | T <br>  | Tok saLE |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Hitime |  |  |
|  |  | Family Mill |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Instead of cultivating limself in chivalricessays, the young Herman cultivated roses, | also torn by his hands from its place amidher ancestors-and ever since that fatal |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Unire mas, howerer, uni |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Come and Examine; |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | coind was hie yomg tat ot the coilt |  |
|  | Youre not compelcd to purchase | Aluo, front the same time, Office No. 1,2second story of Murphy'sbuilding frontingStret.Auf. 3, 18:7. GILLESPIE \& ROBESO |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

